मेडिकल, एयरोस्पेस व ग्रीन हाइड्रोजन सेक्टर में फ्रांस-नीदरलैंड से होगा निवेश

राज्य ब्यूरो, लखनऊ : नीदरलैंड और फ्रांस की कंपनियां उत्तर प्रदेश में मशीनरी, डिफेंस और फ्यूल जैसे क्षेत्र में निवेश करेंगी। फिलिप्स, दसाल्ट, सैफ्रान, एयर लिक्विड जैसी कंपनियां ने यूपी में अपना प्लांट लगाने की इच्छा व्यक्त की है। यह कंपनियां मेडिकल डिवाइस, राफेल फाइटर जेट के आफसेट, एयरोस्पेस कंपोनेंट्स समेत ग्रीन हाइड्रोजन के क्षेत्र में बड़ा निवेश कर सकती हैं।

पिछले दिनों उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और मंत्री योगेंद्र उपाध्याय के नेतृत्व में नीदरलैंड व फ्रांस के दौरे पर गए प्रतिनिधिमंडल से बातचीत इन कंपनियों ने यूपी में निवेश के प्रस्ताव दिए थे। प्रतिनिधिमंडल के रोड शो के दौरान दोनों देशों से करीब 11000 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्तावों पर हस्ताक्षर किए गए। माना जा रहा है

UP GLOBAL INVESTORS SUMMIT
10-12 FEBRUARY, 2023

- फिलिप्स, दसाल्ट, सैफ्रान और एयर लिक्विड यूपी में लगा सकती हैं प्लांट
- हेग व पेरिस में 11 हजार करोड़ के निवेश समझौते पर हुए थे हस्ताक्षर

कि इन निवेश समझौतों से प्रदेश में सात हजार से ज्यादा नए रोजगार सृजित होंगे।

मेडिकल डिवाइस के क्षेत्र में निवेश कर सकता है फिलिप्स

फिलिप्स ऐसी फार्मा डिवाइसेज विकसित कर रहा है जो किफायती भी हों और पोर्टेबल भी। मसलन, बड़ी एमआरआइ मशीन में हीलियम की बहुत ज्यादा आवश्यकता होती है, लेकिन फिलिप्स ऐसी कम हीलियम की मात्रा वाली मशीन लेकर आया है और वह यूपी में इसका मैन्युफैक्चरिंग प्लांट लगाने का इच्छुक है। इसी तरह अल्ट्रासाउंड की एक पोर्टेबल डिवाइस भी बनाई गई है जिससे मरीज को अल्ट्रासाउंड सेंटर जाने की जरूरत नहीं होगी।

राफेल के आफसेट बनाने के लिए दसाल्ट से करार

दसाल्ट उत्तर प्रदेश में राफेल के आफसेट बनाने को इच्छुक है। भारत और फ्रांस के बीच हुए डिफेंस एग्रीमेंट में भारत में अफसेट बनाने को लेकर जो करार हुए थे वो अभी पूरे नहीं हो सके हैं। प्रदेश में बन रहे डिफेंस कारिडोर के करीब दसाल्ट को भूमि भी उपलब्ध कराई जा सकती है। हालांकि इसके लिए भारत सरकार से अनुमति लेनी होगी।

यूपी में बनेंगे एंटी ड्रोन सिस्टम

फ्रांस की कंपनी सिलास टेक्नोलाजी भी उप्र में निवेश की इच्छुक है। प्रदेश सरकार ने उसके साथ एमओयू कर लिया है। यह उत्तर प्रदेश में एंटी ड्रोंस सिस्टम की मैन्युफैक्चरिंग यूनिट लगा सकती है। सुरक्षा की दृष्टि से यह एक अहम निवेश हो सकता है। यह ऐसी टेक्नोलाजी है जो अभी बहुत कम देशों में है, लेकिन इसका बाजार बहुत तेजी से बढ़ सकता है।

सैफ्रान ग्रुप ने यूपी में प्लांट लगाने की जताई इच्छा

एयरोस्पेस से जुड़े इक्विपमेंट्स बनाने वाली फ्रांस के एक और बड़े ग्रुप सैफ्रान ने भी अपने मैन्युफैक्चरिंग प्लांट को चीन से शिफ्ट कर उत्तर प्रदेश में लगाने में रुचि दिखाई है। उनकी योजना उत्तर प्रदेश में प्लांट लगाकर पूरी दुनिया को सप्लाई करने की है। इस कंपनी ने इससे पहले भी उत्तर प्रदेश में निवेश की रुचि दिखाई थी, लेकिन पहले किसी कारण से निवेश नहीं हो सका।

ग्रीन हाइड्रोजन में निवेश करेगी फ्रांस की कंपनी : फ्रांस की एयर लिक्विड ने भी यूपी में निवेश के विस्तार को लेकर इच्छा जाहिर की है। यह मथुरा में प्लांट लगा रही है जिसे दिसंबर 2023 में शुरू कराने की योजना है। पहला प्लांट शुरू होते ही कंपनी दूसरा प्लांट यूपी के पूर्वांचल क्षेत्र में शुरू कर सकती है। एयर लिक्विड सिर्फ आक्सीजन नहीं बनाता बल्कि ग्रीन हाइड्रोजन में भी इसका बड़ा रोल है। उल्लेखनीय है कि जी-20 में भी ग्रीन हाइड्रोजन के इस्तेमाल को प्राथमिकता में रखा है। इसको फ्यूचर का फ्यूल माना जा रहा है।